रोजगार के अवसरों में कमी

2952. **श्री राम सिंह राठवा :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेल विभाग रोजगार के अवसर कम हो गये हैं ;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान सृजित पदों की जोन-वार संख्या कितनी-कितनी है ;

(ग) 31 दिसम्बर, 1993 की स्थिति के अनुसार नैमित्तिक कर्मचारियों की संख्या कितनी थी तथा वे कुल कर्मचारियों के कितने प्रतिशत हैं ; और

(घ) सरकार द्वारा रेल विभाग में रोजगार के और अधिक अवसर सृजित करने हेतु क्या प्रयास किए जा रहे हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के०सी० लेका) : (क) और (ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान रेलवे-वार सृजित पदों की संख्या के अनंतिम आंकड़े इस प्रकार हैं :—

मध्य . . .	3255
पूर्व . . .	6883
उत्तर . . .	1284
पूर्वोत्तर . . .	1193
पूर्वोत्तर सीमा . .	717
दक्षिण . . .	1231
दक्षिण . .	3244
दक्षिण पू . .	2545
पश्चिम . . .	2912

(ग) 31-12-93 को नैमित्तिक कर्मचारियों की अनंतिम संख्या 76,701 है और ग्रुप "क" तथा "ख" के कर्मचारियों को छोड़कर कुल कर्मचारियों से उनका प्रतिशत 4.88 है ।

(घ) नयी लाइनों/खण्डों तथा नयी उत्पादन इकाइयां खोलकर तथा चल स्टाक अवसरचना के अनुरक्षण के लिए सुविधाओं का निर्माण करके रेलों पर सीधी भर्ती के अवसरों का सृजन किया जाता है । बहरहाल, अप्रचलित प्रौद्योगिकी को हटाने तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी शुरु किये जाने के परिणामस्वरूप अकुशल श्रमिकों की संख्या में कमी हुई है । इसकी प्रतिपूर्ति करने तथा देश में रोजगार की समग्र वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आमान परिवर्तन तथा बाहरी एजेंसियों से सामग्री, उपस्कर, मशीनरी तथा संयंत्र की खरीद के माध्यम से अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों को बढ़ाया जा रहा है । रेलें, इण्डियन रेलवे कन्स्ट्रक्शन कम्पनी लि० (इरकान), कंटनर निगम, कोंकण रेलवे निगम आदि जैसे सहायक संगठनों जिनसे बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त होते हैं, की स्थापना भी कर रही है ।

मुम्बई में रेल लाइन को दोहरा किया जाना

2953. **श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों ने मुम्बई में वर्तमान रेल लाइन को दोहरा करने से संबंधित कार्य को शुरु करने के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की है ;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्यो है ; और

(ग) सरकार इस मामले में क्या निर्णय लेगी ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के०सी० लेका) : (क) जी, नहीं ।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता ।

Completion of Eklashi-Balurghat rail project

2954. PROF. SAURIN BHATTACHARYA: Will the Minister of RAILWAYS be pleaesd to state:

(a) what has been the progress on Eklashi-Balurghaht rail link project